>

Title: Regarding crisis in Iraq.

श्री राजीव प्रताप रूडी (सारण) : सभापति महोदय, मैं मूल रूप से इराक और सीरिया की स्थिति पर सदन का ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूं। हम लगातार इसे देख रहे हैं। पिछले दो महीनों से एवं इसके पहले जो स्थिति इराक और सीरिया में उत्पन्न हुई थी, जिसके कारण वहां के सामान्य नागरिकों, चाहे वे किसी भी समाज से संबंधित हों, हम उसमें नहीं पड़ना चाहते हैं, को बर्बरता और क्रूरता का शिकार होना पड़ रहा है। दुनिया में जो स्थिति उत्पन्न होती है, वह चिंता का विषय है। भारत की आबादी 1.25 करोड़ है। यहां के लोग दुनिया भर में काम करने जाते हैं। जिस प्रकार की घटना केरल की नर्सों के साथ हुई और मौसूल एवं तिरकित में रह रहे लोगों और परिवारजनों के साथ विदेश मंत्रालय का लगातार संपर्क होता रहा। वे कोशिश करते रहे कि उन्हें सुरक्षित वापस लाया जाए। हमें यह भी याद रखना होगा कि जिन्हें हम सुरक्षित ले कर आए हैं, उनमें बहुत लोग ऐसे हैं जो वहां जाने एवं रोजगार पाने के लिए कर्ज लिए थे। उन्होंने ट्रैवेल एजेंट को पैसे दिए थे। जो वहां रोजगार दिलाते हैं उनको पैसे दिए थे। बहुत सारे लोग लौट कर यहां आए हैं। कुछ नर्सेज और वहां काम करने गए कुछ लोग लौट कर नहीं आ पाए हैं।

सभापति महोदय, चिंता इस बात की है कि मौसूल और तिरकित में अभी भी बहुत सारे कंस्ट्रक्शन लेबर्स फंसे हुए हैं। सरकार ने अपनी तरफ से भरपुर प्रयास किया है। मैं सुषमा स्वराज जी, अपनी सरकार को और तमाम डिप्लोमैटिक मिशन को धन्यवाद देना चाहता हूं। मुझे पता है कि भारत की कुछ एजेंसियों ने वहां जा कर उनसे संपर्क साधा है और भारत के नागरिकों को वापस ले कर आए हैं। यह एक मानवीय विषय है। हमारे लोग दुनिया भर में जा कर काम करते हैं, उनको पूरी दुनिया का सहयोग मिला हैं लेकिन चिंता यह है कि जिस प्रकार से यहां की घटनाएं हो रही हैं, जो लोग सामान्य रूप से वीडियो और एम.एम.एस देखते हैं, जिस क्रूरता के साथ वहां पर आपसी संघर्ष हो रहे हैं, उन वीडियो को जिनका प्रसारण पूरी दूनिया में हो रहा है, अगर देखा जाए तो उस क्रूरता का दूसरा स्वरूप हम कहीं नहीं देख सकते हैं।

महोदय, जो अस्थिरता इराक और सीरिया में उत्पन्न हो गई है, यह चिंता का विषय है। जो भी ताकते इसमें लगी हुई हैं, किन के बीच में झगड़ा है, मैं इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहता हूं। इससे पूरे दुनिया में एक अस्थिरता का माहौल उत्पन्न होगा। महोदय, मैं यह प्रार्थना करना चाहता हूं, यह आग्रह करना चाहता हूं कि मिडल ईस्ट में युद्ध की स्थिति बन चुकी है, उसमें सुधार आए। विशेषकर, जो नागरिक अभी भी इराक या अन्य स्थानों पर फंसे हुए हैं उन्हें वापस लाने के लिए सरकार ने पहल की है। मैं सरकार को बधाई देने के साथ-साथ यह भी कहना चाहता हूं कि जो शेष लोग आना चाहते हैं उन्हें वापस लाया जाए। जिन लोगों को वापस लाया गया है, सरकार विशेष निधि से उन लोगों को कर्ज चुकाने और नए व्यवसाय करने या अतिरिक्त व्यवसाय देने की व्यवस्था करे। चाहे वे केरल के लोग हों, वे गुजरात के लोग हों, वे बिहार के लोग हों या वे मध्यप्रदेश के लोग हों, सरकार संवेदना के साथ उनकी समस्याओं पर विचार करे।

HON. CHAIRPERSON :

Shri Shivkumar Udasi and

Dr. Virendra Kumar are allowed to associate with the matter raised by Shri Rajiv Pratap Rudy.